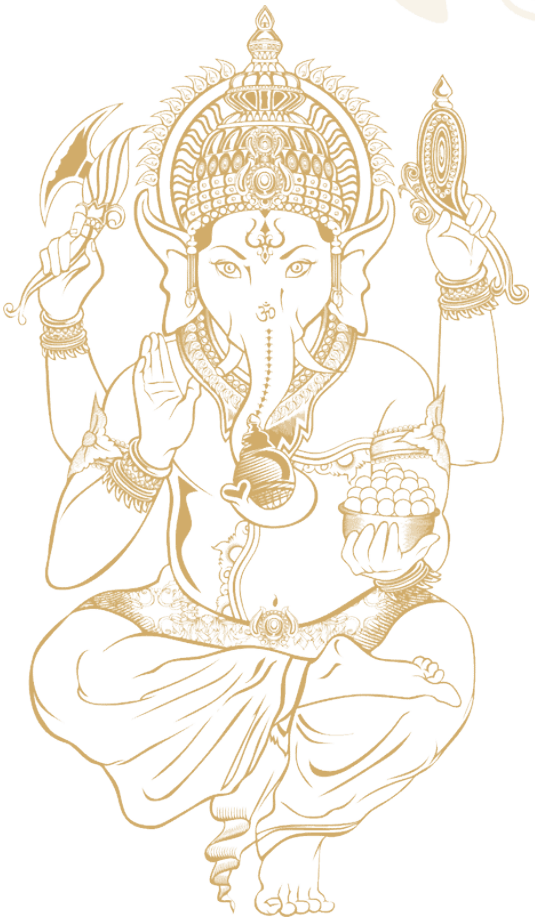

Mr.

14 Mar 1995

10:20 PM

Palampur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/03/1995**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:20:00 घंटे**
इष्ट	39:18:10 घटी
स्थान	**Palampur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:04:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:55:56 घंटे
वेलान्तर	-00:09:23 घंटे
साम्पातिक काल	09:23:16 घंटे
सूर्योदय	06:36:43 घंटे
सूर्यास्त	18:30:40 घंटे
दिनमान	11:53:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:50:54 कुम्भ
लग्न के अंश	19:17:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:17:27	301:16:57	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	29:50:54	00:59:48	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	00:03:51	13:13:57	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल	व		कर्क	20:00:12	00:07:39	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कुंभ	05:55:32	01:25:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:05:52	00:03:17	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	20:06:13	01:11:09	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	22:16:38	00:07:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु	व		तुला	12:35:24	00:07:32	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	12:35:24	00:07:32	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:36:01	00:02:24	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:13:42	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:46:47	00:00:22	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	24:35:33	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:35

लग्न-चलित

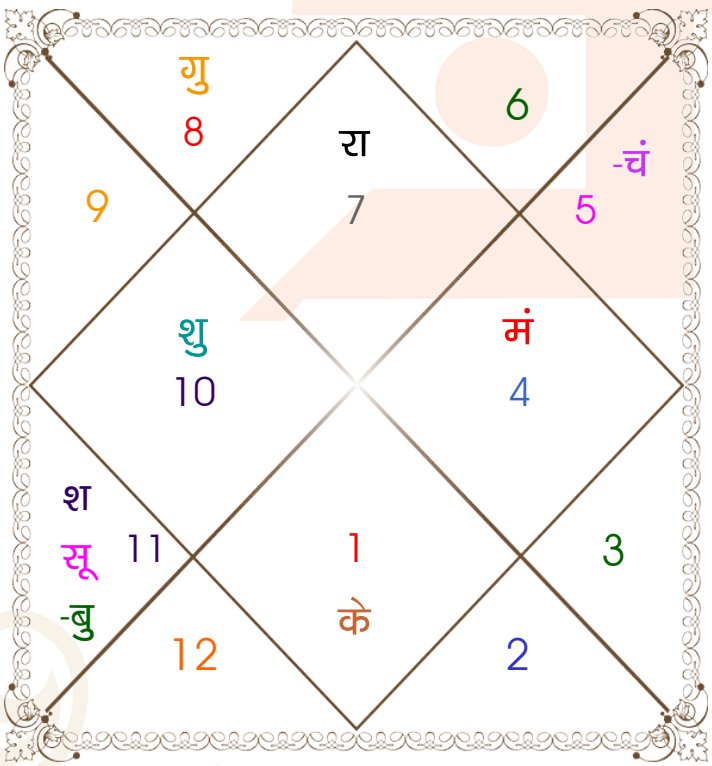

चन्द्र कुंडली

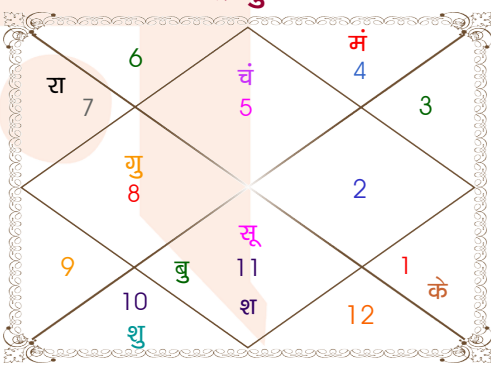

नवमांश कुंडली

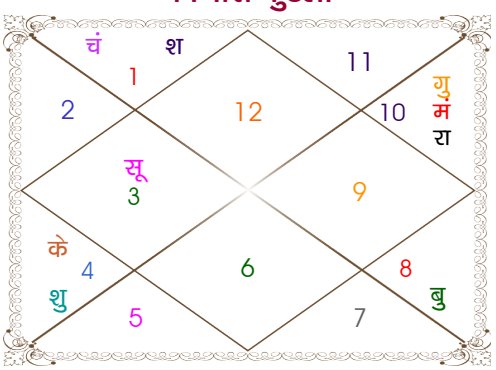

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/03/1995		02/03/2002		02/03/2022		01/03/2028		02/03/2038	
02/03/2002		02/03/2022		01/03/2028		02/03/2038		02/03/2045	
केतु	29/07/1995	शुक्र	01/07/2005	सूर्य	19/06/2022	चंद्र	31/12/2028	मंगल	29/07/2038
शुक्र	27/09/1996	सूर्य	02/07/2006	चंद्र	19/12/2022	मंगल	01/08/2029	राहु	17/08/2039
सूर्य	02/02/1997	चंद्र	01/03/2008	मंगल	26/04/2023	राहु	31/01/2031	गुरु	22/07/2040
चंद्र	03/09/1997	मंगल	02/05/2009	राहु	20/03/2024	गुरु	01/06/2032	शनि	31/08/2041
मंगल	30/01/1998	राहु	01/05/2012	गुरु	06/01/2025	शनि	31/12/2033	बुध	28/08/2042
राहु	18/02/1999	गुरु	31/12/2014	शनि	19/12/2025	बुध	01/06/2035	केतु	25/01/2043
गुरु	25/01/2000	शनि	02/03/2018	बुध	25/10/2026	केतु	01/01/2036	शुक्र	26/03/2044
शनि	05/03/2001	बुध	31/12/2020	केतु	02/03/2027	शुक्र	31/08/2037	सूर्य	01/08/2044
बुध	02/03/2002	केतु	02/03/2022	शुक्र	01/03/2028	सूर्य	02/03/2038	चंद्र	02/03/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/03/2045		02/03/2063		02/03/2079		02/03/2098		03/03/2115	
02/03/2063		02/03/2079		02/03/2098		03/03/2115		00/00/0000	
राहु	13/11/2047	गुरु	19/04/2065	शनि	05/03/2082	बुध	30/07/2100	केतु	15/03/2115
गुरु	07/04/2050	शनि	01/11/2067	बुध	12/11/2084	केतु	27/07/2101		00/00/0000
शनि	11/02/2053	बुध	06/02/2070	केतु	22/12/2085	शुक्र	27/05/2104		00/00/0000
बुध	01/09/2055	केतु	12/01/2071	शुक्र	21/02/2089	सूर्य	02/04/2105		00/00/0000
केतु	18/09/2056	शुक्र	12/09/2073	सूर्य	02/02/2090	चंद्र	02/09/2106		00/00/0000
शुक्र	19/09/2059	सूर्य	02/07/2074	चंद्र	04/09/2091	मंगल	30/08/2107		00/00/0000
सूर्य	13/08/2060	चंद्र	01/11/2075	मंगल	13/10/2092	राहु	18/03/2110		00/00/0000
चंद्र	12/02/2062	मंगल	07/10/2076	राहु	20/08/2095	गुरु	23/06/2112		00/00/0000
मंगल	02/03/2063	राहु	02/03/2079	गुरु	02/03/2098	शनि	03/03/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।